RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
सितंबर
01
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

प्रधानमंत्री मोदी सात साल बाद चीन दौरे पर, 2025 में SCO शिखर सम्मेलन / PM Modi In China After 7 Years, SCO Summit 2025

संदर्भ:

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने सात साल बाद पहली बार द्विपक्षीय वार्ता की। यह मुलाकात 31 अगस्त को तियानजिन में आयोजित **शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन** के इतर हुई, जिसने भारत-चीन संबंधों में नए आयाम जोड़ने की उम्मीदें जगाई हैं।

मोदी–शी मुलाकात के प्रमुख निष्कर्ष:

1. **द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता:**
   - पीएम मोदी ने भारत की आपसी विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता के आधार पर चीन के साथ संबंध आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई।
   - पिछले साल की सीमा सुलह के बाद शांति और स्थिरता बनी हुई है।
2. **संयोजन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान:**
   - भारत और चीन के बीच **सीधी उड़ानों** का फिर से संचालन।
   - **कैलाश मानसरोवर यात्रा** कोविड प्रतिबंधों के कारण पांच साल के बाद फिर शुरू हुई।
   - दोनों देशों के सहयोग से **2.8 अरब लोगों की भलाई** जुड़ी हुई है।
3. **अच्छे पड़ोसी और सभ्यताओं का सहयोग:**
   - शी जिनपिंग ने भारत और चीन के **अच्छे पड़ोसी** बनने पर जोर दिया।
   - "**हाथी और ड्रैगन को साथ आना चाहिए**" – वैश्विक बदलाव के दौर में दोनों सभ्यतापूर्ण देशों के सहयोग का प्रतीक।
4. **वैश्विक जिम्मेदारियां और बहुध्रुवीय दुनिया:**
   - दोनों नेताओं ने बहुपक्षवाद बनाए रखने पर बल दिया।
   - सहयोग से बहुध्रुवीय विश्व, अंतरराष्ट्रीय संबंधों में अधिक लोकतंत्र, और एशिया व विश्व में शांति एवं समृद्धि सुनिश्चित करने की आवश्यकता।
5. **आपसी विकास और गैर-प्रतिस्पर्धा:**
   - भारत और चीन विकास साझेदार हैं, न कि खतरा या प्रतिद्वंद्वी।
   - सीमा मुद्दों को द्विपक्षीय संबंधों की पूरी तस्वीर पर हावी नहीं होने देना चाहिए।
   - संबंधों को किसी तीसरे देश के दृष्टिकोण से नहीं देखना चाहिए; आतंकवाद और बहुपक्षीय मंचों में न्यायसंगत व्यापार जैसे द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर साझा आधार बढ़ाना जरूरी है।

शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के बारे में:

यह एक क्षेत्रीय अंतरसरकारी संगठन है, जो राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा सहयोग पर केंद्रित है।

स्थापना: 2001 में शंघाई में, "Shanghai Five" (1996) से विकसित होकर।

मुख्यालय: बीजिंग, चीन।

सदस्यता:

- **8 स्थायी सदस्य:** चीन, रूस, भारत, पाकिस्तान, कज़ाख़स्तान, किर्गिज़स्तान, ताजिकिस्तान, उज़्बेकिस्तान।
- **अवलोकक सदस्य:** अफ़ग़ानिस्तान, बेलारूस, मंगोलिया, ईरान (अब पूर्ण सदस्यता की ओर बढ़ रहा)।
- **संवाद सहयोगी:** तुर्की, श्रीलंका, नेपाल, मिस्र, सऊदी अरब, क़तर आदि।

उद्देश्य:

- क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को बढ़ावा देना।
- आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद के खिलाफ सहयोग मजबूत करना।
- आर्थिक कनेक्टिविटी और व्यापार एकीकरण को बढ़ाना।
- सांस्कृतिक आदान-प्रदान और जनता के बीच संपर्क को प्रोत्साहित करना।
- बहुध्रुवीयता और आंतरिक मामलों में गैरहस्तक्षेप के सिद्धांत को बनाए रखना।

मुख्य पहलें:

- **Regional Anti-Terrorist Structure (RATS):** ताशकंद में मुख्यालय।
- **SCO डेवलपमेंट बैंक का प्रस्ताव:** वित्तीय सहयोग के लिए।
- ऊर्जा सुरक्षा, परिवहन मार्ग, कृषि, डिजिटल अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में पहल।
- वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास (**Peace Mission श्रृंखला**)।

15वें भारत-जापान शिखर सम्मेलन / 15th India-Japan Summit

संदर्भ:

भारत और जापान के प्रधानमंत्रियों नरेंद्र मोदी और फुमियो इशिबा ने टोक्यो में **15वें भारत-जापान शिखर सम्मेलन** में भाग लिया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच **रणनीतिक, आर्थिक और रक्षा सहयोग को और गहरा करना** तथा उनकी "विशेष रणनीतिक वैश्विक साझेदारी" को सुदृढ़ करना रहा।

शिखर सम्मेलन के प्रमुख परिणाम:

1. दीर्घकालिक दृष्टि: भारत और जापान ने 10 साल का रोडमैप तैयार किया, जो 8 स्तंभों पर आधारित है - अर्थव्यवस्था, सुरक्षा, गतिशीलता (Mobility), प्रौद्योगिकी, रक्षा, पर्यावरण, बहुपक्षीय सहयोग और संस्कृति।

2. सुरक्षा और रक्षा संबंध:

- सुरक्षा सहयोग पर संयुक्त घोषणा (Joint Declaration) को अपनाया गया।
- अधिक रक्षा अभ्यास: धर्म गार्जियन (थल सेना), शिन्यू मैत्री (वायु सेना), जिमेक्स (नौसेना)।
- अधिग्रहण और क्रॉस-सर्विसिंग समझौता (ACSA) के तहत लॉजिस्टिक सहयोग मजबूत हुआ।
- सप्लाई चेन, तकनीक और खनिज सुरक्षा में नए उपक्रम।

3. गतिशीलता और मानव संसाधन:

- 5 साल की योजना के तहत 5 लाख लोगों के दो-तरफा आवागमन को सक्षम बनाया जाएगा।
- "नेक्स्ट-जेन मोबिलिटी पार्टनरशिप" के तहत 50,000 भारतीय श्रमिक जापान में कार्य करेंगे।

4. तकनीक और डिजिटल सहयोग:

- इंडिया-जापान डिजिटल पार्टनरशिप 2.0 की शुरुआत, जिसमें AI, सेमीकंडक्टर्स, क्वांटम टेक्नोलॉजी और साइबर सुरक्षा शामिल।
- इंडिया-जापान AI इनिशिएटिव से संयुक्त शोध और नवाचार को बढ़ावा।

5. सतत विकास और हरित प्रगति:

- लो-कार्बन टेक्नोलॉजी पर Joint Crediting Mechanism (JCM) के तहत सहयोग।
- स्वच्छ हाइड्रोजन और अमोनिया ईंधन को बढ़ावा।
- अपशिष्ट जल प्रबंधन और नवीकरणीय ऊर्जा में साझेदारी।

6. अंतरिक्ष और महत्वपूर्ण खनिज: इसरो और JAXA का संयुक्त लूनर पोलर एक्सप्लोरेशन मिशन, महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों पर सहयोग समझौता।

7. संस्कृति और जन-से-जन संबंध (Culture & People-to-People Links)

- शिक्षा, पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में और कार्यक्रम।
- शहर-प्रान्त स्तर पर साझेदारी से उप-राष्ट्रीय संबंधों को मजबूती।

भारत–जापान संबंधों का महत्व:

1. **रणनीतिक साझेदारी:** दोनों देश Indo-Pacific क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए सहयोग करते हैं।
2. **आर्थिक सहयोग:** जापान भारत के बड़े निवेशकों में से एक है, विशेषकर इंफ्रास्ट्रक्चर और टेक्नोलॉजी में।
3. **रक्षा सहयोग:** समुद्री सुरक्षा और संयुक्त सैन्य अभ्यास में सहयोग।
4. **सांस्कृतिक संबंध:** बौद्ध धर्म और ऐतिहासिक संबंधों के कारण गहरी सांस्कृतिक निकटता।
5. **क्वाड (QUAD) में भूमिका:** भारत और जापान अमेरिका व ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर Indo-Pacific में **मुक्त, खुला और सुरक्षित क्षेत्र** सुनिश्चित करने के लिए काम करते हैं।
6. **वैश्विक मंच पर सहयोग:** जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन और सुरक्षा परिषद सुधार जैसे मुद्दों पर मिलकर काम।

भारत–जापान संबंध:

- **सांस्कृतिक संबंध:** छठी शताब्दी से बौद्ध धर्म ने दोनों देशों को सांस्कृतिक और सभ्यतागत बंधन में जोड़ा।
- **युद्ध के बाद संबंध:** 1952 की शांति संधि से द्वितीय विश्व युद्ध के बाद राजनयिक संबंध पुन: स्थापित हुए।
- **वार्षिक शिखर सम्मेलन:** 2000 से भारत और जापान ने वार्षिक शिखर बैठकें शुरू कीं, जो भारत की सबसे पुरानी समिट व्यवस्थाओं में से एक है।
- **2000: ग्लोबल पार्टनरशिप:** साझा हितों को मान्यता देते हुए संबंधों को वैश्विक साझेदारी तक बढ़ाया गया।
- **2006: स्ट्रैटेजिक एंड ग्लोबल पार्टनरशिप:** सुरक्षा और आर्थिक सहयोग को गहराई देने के लिए संबंध और मजबूत किए गए।
- **2014: स्पेशल स्ट्रैटेजिक एंड ग्लोबल पार्टनरशिप:** संबंधों को और ऊँचाई पर ले जाया गया, असाधारण विश्वास और साझा इंडो-पैसिफिक दृष्टिकोण को रेखांकित किया गया।

भारत में सड़क दुर्घटनाएँ 2023 रिपोर्ट / Road Accidents in India 2023 Report

संदर्भ:

भारत में सड़क दुर्घटनाओं पर परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) की रिपोर्ट **'रोड एक्सीडेंट्स इन इंडिया 2023'** के अनुसार वर्ष 2023 में सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाओं और मौतों का मुख्य कारण **ओवरस्पीडिंग** रहा। यह रिपोर्ट MoRTH के **ट्रांसपोर्ट रिसर्च विंग** द्वारा तैयार की गई है, जिसमें देशभर के सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और 10 लाख से अधिक शहरों की पुलिस विभागों से जुटाए गए आंकड़ों को शामिल किया गया है।

सड़क दुर्घटनाओं पर रिपोर्ट 2023 – मुख्य निष्कर्ष:

दुर्घटनाओं और मौतों में बढ़ोतरी:

- 2023 में भारत में **सड़क दुर्घटनाएं 4.2% बढ़कर 4,80,583** पर पहुँच गईं।
- इन हादसों में **1,72,890 लोगों की जान गई**, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है।
- 2022 की तुलना में मौतों में **2.6% की वृद्धि**, जबकि घायलों की संख्या **4.4% बढ़कर 4,62,825** हो गई।

जानलेवा हादसों का बढ़ना:

- 2022 में **1,55,781** घातक दुर्घटनाएं थीं, जो 2023 में बढ़कर **1,60,509** हो गईं (3.04% वृद्धि)।
- सभी सड़क दुर्घटनाओं में से 33.4% घातक रहीं।
- *घातक दुर्घटना*: ऐसी घटना जिसमें दो या उससे अधिक लोगों की मौत हो।

Crash report

Year	Accidents	% chg Y-o-Y	Fatalities	% chg Y-o-Y	Injuries	% chg Y-o-Y
2019	456,959	-2.9	158,984	0.9	449,360	-3.3
2020	372,181	-18.6	138,383	-13	346,747	-22.8
2021	412,432	10.8	153,972	11.3	384,448	10.9
2022	461,312	11.9	168,491	9.4	443,366	15.3
2023	480,583	4.2	172,890	2.6	462,825	4.4

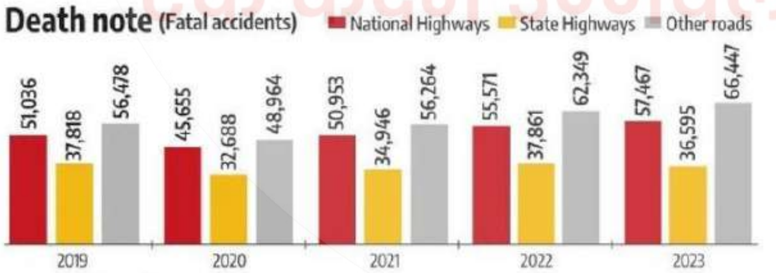

Source: Road Accidents in India 2023 report

सबसे ज्यादा जोखिम किसे?

- **युवा (18–45 वर्ष)**: कुल मौतों का **66.4%**।
- **कामकाजी आयु समूह (18–60 वर्ष)**: कुल मौतों का **83.4%**।
- **टू-व्हीलर चालक/सवार**: मौतों का **44.8%**।
- **पैदल यात्री**: लगभग **20% मौतें**।
- **बच्चे**: सिर्फ 2023 में ही **9,489 बच्चे दुर्घटनाओं का शिकार** हुए।

भारत में सड़क हादसों के मुख्य कारण:

1. **मानव व्यवहार:** अधिक गति, लापरवाही और ट्रैफिक नियमों का पालन न करना (हेलमेट/सीट बेल्ट न पहनना) मुख्य कारण हैं। 2023 में 68.1% मौतें ओवर-स्पीडिंग की वजह से हुई।
2. **अपर्याप्त इंफ्रास्ट्रक्चर:** सड़क में गड्ढे, उचित अंडरपास या फुटओवरब्रिज का अभाव, और खराब रखरखाव हादसों में योगदान देते हैं।
3. **क्रैश मॉनिटरिंग सिस्टम की कमी:** भारत में राष्ट्रीय स्तर पर दुर्घटना डेटा सिस्टम अधूरा है, जिससे नीति निर्माण में मदद नहीं मिलती।
4. **वाहन संबंधी समस्याएँ:** पुराने और कमजोर सुरक्षा फीचर्स वाले वाहन हादसों की गंभीरता बढ़ाते हैं। 2014 में NCAP के क्रैश टेस्ट में कई लोकप्रिय कार मॉडल पास नहीं हुए।
5. **सचेतना और नियम प्रवर्तन की कमी:** सुरक्षा फीचर्स (एयरबैग, ABS, सीट बेल्ट) के महत्व के बारे में लोगों में जागरूकता कम है और नियमों का पालन ठीक से नहीं होता।

भारत में सड़क सुरक्षा के लिए पहल:

1. राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा नीति (NRSP), 2010 - S. सुंदर समिति की सिफारिशों के अनुसार।
2. सड़क सुरक्षा सूचना डेटाबेस और राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा परिषद का निर्माण।
3. मोटर वाहन संशोधन अधिनियम, 2019।
4. कैरेज बाय रोड एक्ट, 2007।
5. राष्ट्रीय राजमार्ग (भूमि और यातायात) नियंत्रण अधिनियम, 2000।
6. राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण अधिनियम, 1998।
7. ग्लोबल गोल 2030 के लिए तीसरी उच्च स्तरीय वैश्विक सड़क सुरक्षा सम्मेलन।

कपास आयात शुल्क छूट 31 दिसंबर 2025 तक बढ़ाई गई / Cotton Import Duty Exemption Extended till 31st December 2025

संदर्भ:

भारत सरकार ने कपड़ा निर्यात पर अमेरिकी 50% टैरिफ के असर को कम करने के लिए ड्यूटी-फ्री **कपास आयात नीति को 31 दिसंबर 2025** तक बढ़ा दिया है।

भारत का टेक्सटाइल सेक्टर को बढ़ावा देने का निर्णय – मुख्य कारण:

1. **कपास की उपलब्धता और कीमतों में उतार-चढ़ाव:**
   - घरेलू और वैश्विक स्तर पर कपास की कीमतों और उपलब्धता में बदलाव से निर्माता और निर्यातक प्रभावित होते हैं।
   - आयात शुल्क छूट के विस्तार से आयातित कपास सस्ती और आसानी से उपलब्ध होगी।
2. **उत्पादकों पर वित्तीय बोझ कम करना:**
   - आयात शुल्क हटाकर सरकार यह सुनिश्चित करती है कि टेक्सटाइल मिलें और निर्माता गुणवत्ता वाली कपास प्रतिस्पर्धी दरों पर ले सकें।
   - यह विशेष रूप से उन वर्षों में मददगार है जब घरेलू उत्पादन मौसम या वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के कारण प्रभावित हो।
3. **MSMEs और निर्यातकों का समर्थन:**
   - छूट का लाभ बड़े उद्योगों के साथ-साथ माइक्रो, स्माल और मीडियम एंटरप्राइजेज (MSMEs) को भी मिलेगा।
   - वैश्विक मांग बढ़ने के कारण कच्चे कपास तक निरंतर पहुंच इन व्यवसायों को समय पर डिलीवरी, अनुबंध पूरा करने और अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद करेगी।
4. **भारत की विश्वसनीयता बनाए रखना:**
   - यह नीति भारत की व्यापारिक साझेदारों और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करती है।
   - भारत वैश्विक टेक्सटाइल आपूर्ति श्रृंखला में भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता बना रहता है।
5. **"आजादी का अमृत महोत्सव" और आत्मनिर्भर भारत:**
   - यह निर्णय सरकार की सक्रिय और उत्तरदायी नीति का प्रतीक है।
   - उद्योगों की वास्तविक समय की चुनौतियों का समाधान कर, यह आत्मनिर्भर भारत (Aatmanirbhar Bharat) की दिशा में कदम बढ़ाता है।
   - नीति उत्पादकों का समर्थन करती है, निर्यात को बढ़ावा देती है और रोजगार सुरक्षित करती है।

भारत में कपास उत्पादन:

1. **कपास का महत्व:**
   - कपास टेक्सटाइल उद्योग की मुख्य कच्ची सामग्री है।
   - भारत में लगभग 60 लाख किसान कपास की खेती करते हैं।
2. **आयात शुल्क का ऐतिहासिक पहल:**
   - 2021 के बजट में 11% कपास आयात शुल्क लागू किया गया, जब भारत में उत्पादन अधिशेष था (350 लाख बॉल्स बनाम आवश्यकता 335 लाख बॉल्स)।
   - इसका उद्देश्य कपास उगाने वाले किसानों के हित की रक्षा करना था।
3. **वर्तमान उत्पादन में गिरावट:**
   - घरेलू उत्पादन घटकर 294 लाख बॉल्स हो गया है, जो पिछले 15 वर्षों में सबसे कम है।
   - आवश्यकता 318 लाख बॉल्स है।
4. **आयात में वृद्धि:**
   - वित्तीय वर्ष 2025 में कपास आयात 107% बढ़कर $1.2 बिलियन हो गया (FY 2024 में $579 मिलियन)।
   - 2024-25 की मौजूदा सीज़न में अनुमानित आयात लगभग 40 लाख बॉल्स रहेगा, मुख्य आपूर्तिकर्ता ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, ब्राजील और मिस्र हैं।
5. **कपास निर्यात का योगदान:**
   - कपास आधारित टेक्सटाइल निर्यात 2024-25 में भारत के कुल टेक्सटाइल और परिधान निर्यात का लगभग 33% है।
   - यह रेडीमेड गारमेंट्स के बाद दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता है।

कपास पर आयात शुल्क छूट:

1. **नीति विस्तार:** भारत सरकार ने कपास आयात पर शून्य शुल्क नीति को 31 दिसंबर 2025 तक बढ़ा दिया है।
2. **उद्देश्य:**
   - अमेरिकी 50% टैरिफ के प्रभाव को कम करना।
   - टेक्सटाइल वैल्यू चेन में इनपुट लागत घटाना।
   - वैश्विक बाजार में भारतीय टेक्सटाइल की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना।

भारत-अफ्रीका साझेदारी / India-Africa Partnership

संदर्भ:

भारत और अफ्रीका के बीच व्यापारिक सहयोग को नई ऊंचाई पर ले जाने पर जोर देते हुए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने कहा कि दोनों पक्षों को **2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना** करने के लिए मिलकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से मूल्य संवर्धन, तकनीक-आधारित कृषि, नवीकरणीय ऊर्जा और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में साझेदारी को मजबूत बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

भारत–अफ्रीका व्यापार साझेदारी:

1. **संतुलित द्विपक्षीय व्यापार:** भारत के निर्यात USD 42.7 बिलियन और आयात USD 40 बिलियन के साथ व्यापार संतुलित है।
2. **अफ्रीका के आयात में अविकसित अवसर:** उदाहरण के तौर पर ऑटोमोबाइल सेक्टर में अफ्रीका हर साल USD 20 बिलियन के वाहन आयात करता है, जबकि भारत केवल USD 2 बिलियन की आपूर्ति करता है।
3. **प्रतिस्पर्धा की बजाय पूरकता पर ध्यान:** भारत और अफ्रीका के बीच व्यापार में प्रतिस्पर्धा कम और पूरकता बढ़ाने की अधिक संभावनाएँ हैं।

भारत–अफ्रीका साझेदारी: क्षेत्र (Sector):

1. **कृषि और खाद्य सुरक्षा:**
   - प्रौद्योगिकी-संचालित कृषि, सहकारी और स्वयं-सहायता समूह मॉडल, और फसल विविधीकरण में सहयोग।
   - अफ्रीका भारत को महत्वपूर्ण खनिज और पेट्रोलियम उत्पाद प्रदान कर सकता है, जबकि भारत उर्वरक, कृषि तकनीक और खाद्य उत्पाद उपलब्ध कराएगा।
2. **उद्योग और निर्माण:**
   - ऑटोमोबाइल सेक्टर का विस्तार: पैसेंजर व्हीकल, कमर्शियल व्हीकल, दो-तीन पहिया वाहन, और किफायती इलेक्ट्रिक मोबिलिटी समाधान।
   - कच्चे माल के निर्यात से मूल्य वर्धित उत्पादन की ओर बदलाव।
3. **स्वास्थ्य और फार्मास्यूटिकल्स:**
   - किफायती जेनेरिक दवाएं, वैक्सीन, मेडिकल उपकरण, और मेडिकल टूरिज्म।
   - COVID-19 महामारी में भारत ने दवाओं और वैक्सीन का भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता होने का उदाहरण दिखाया।
4. **नवीकरणीय ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिज:**
   - सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, और बैटरी तकनीकों में सहयोग।
   - अफ्रीका के खनिज, जैसे कोबाल्ट और लिथियम, भारत के ग्रीन ट्रांज़िशन के लिए महत्वपूर्ण हैं।
5. **डिजिटल और वित्तीय प्रणाली:**
   - भारत के UPI को अपनाने से लेनदेन लागत कम होगी और अफ्रीका की वित्तीय संरचना मजबूत होगी।
   - IT, AI, टेलीकॉम और फिनटेक सेवाओं में अवसर।
6. **मानव संसाधन और ज्ञान साझा करना:**
   - शिक्षा, कौशल विकास, स्टार्टअप, R&D, और युवा साझेदारी में सहयोग।
   - भविष्य के लिए तैयार कार्यबल तैयार करना।

अफ्रीका के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य

भौगोलिक स्थिति:

- **अफ्रीका की सीमाएँ:** उत्तर में भूमध्य सागर, उत्तर-पूर्व में लाल सागर, पूर्व में हिंद महासागर, पश्चिम में अटलांटिक
- भूमध्य रेखा लगभग महाद्वीप को बराबर बांटती है।
- आठ प्रमुख भौगोलिक क्षेत्र: सहारा, साहेल, इथियोपियाई उच्चभूमि, सवाना, स्वाहिली कोस्ट, वर्षावन, अफ्रीकी ग्रेट लेक्स और दक्षिणी अफ्रीका।

जनसंख्या:

- अफ्रीका एशिया के बाद दूसरा सबसे अधिक जनसंख्या वाला महाद्वीप है।
- 2034 तक कार्यशील आयु वर्ग की जनसंख्या 1.1 बिलियन होने का अनुमान है।
- अगले 35 वर्षों में जनसंख्या लगभग दोगुनी होकर 2.4 बिलियन तक पहुँच जाएगी, जिसमें 18 वर्ष से कम आयु के लोगों की संख्या भी बढ़ेगी।

अर्थव्यवस्था:

- कृषि अफ्रीका के 65-70% श्रम शक्ति को रोजगार देती है और GDP का 30-40% योगदान देती है।
- खनन और पर्यटन जैसे क्षेत्रों का भी महाद्वीप की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान है।

जलवायु:

- अफ्रीका दुनिया का सबसे गर्म महाद्वीप है।
- जलवायु विविध है: सहारा का शुष्क वातावरण और वर्षावनों की हरी-भरी भूमि।

दारुमा डॉल / Daruma Doll

संदर्भ:

जापान यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दारुमा-जी मंदिर के मुख्य पुजारी ने **दारुमा गुड़िया** भेंट की।

दारुमा डॉल (Daruma Doll)

1. **परिचय और महत्व:**
   - दारुमा जापान की पपीयर-माचे गुड़िया है, जो ज़ेन बौद्ध धर्म के संस्थापक बोधिधर्म से प्रेरित है।
   - यह धैर्य, लचीलापन और शुभकामनाओं का प्रतीक है।
   - लक्ष्य निर्धारण समारोह में एक आंख तब रंगी जाती है जब लक्ष्य तय किया जाता है; दूसरी आंख तब भरी जाती है जब लक्ष्य पूरा होता है—यह प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है।
2. **विशेष रूप और संदेश:**
   - गोल आधार के कारण यह गुड़िया हमेशा अपने आप खड़ी हो जाती है, जो कहावत "सात बार गिरो, आठ बार उठो" का प्रतीक है।
   - यह कभी हार न मानने की सीख देती है।
3. **भारत के साथ संबंध:**
   - बोधिधर्म, कनचीपुरम (भारत) के एक भारतीय संन्यासी थे, जिन्हें जापान में दारुमा दैशी के रूप में सम्मानित किया जाता है।
   - उन्होंने नौ साल तक दीवार की ओर मुंह करके ध्यान साधना की, यही कारण है कि गुड़िया की अंगहीन, गोल आकृति और खाली आंखें हैं।
   - बोधिधर्म भारत से हेनान प्रांत, चीन तक गए, जहां उन्होंने गुफा में ध्यान किया।
   - दारुमा का नाम संस्कृत शब्द "धर्म" से लिया गया है, जो इसके भारतीय मूल को दर्शाता है।

अचूक प्रहार / Achook prahaar

संदर्भ:

भारतीय सेना की स्पीयर कोर और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) ने केंद्रीय अरुणाचल प्रदेश में एक महत्वपूर्ण संयुक्त युद्धक क्षमता अभ्यास **"अचूक प्रहार"** का आयोजन किया। यह अभ्यास सीमावर्ती क्षेत्रों में सामरिक तालमेल और संयुक्त परिचालन क्षमता को और मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

Indo-Tibetan Border Police (ITBP) और Exercise Achook Prahar:

1. **पृष्ठभूमि:**
   - ITBP की स्थापना 1962 में चीन-भारत युद्ध के बाद भारत-तिब्बत सीमा की सुरक्षा के लिए हुई।
   - शुरू में यह CRPF का हिस्सा था, 2004 में गृह मंत्रालय के अधीन स्वतंत्र केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल बना।
   - आदर्श वाक्य: **"शौर्य – दृढ़ता – कर्मनिष्ठा"**
   - ITBP पर्वतीय युद्ध में विशेषज्ञ है और चीन के साथ 3,488 किमी लंबी सीमा पर 9,000 से 18,750 फीट की ऊँचाई पर कार्य करता है।
2. **Exercise Achook Prahar:**
   - चार दिन की यह अभ्यास गतिविधि भारतीय सेना की SpearHead Division और ITBP कर्मियों के बीच हुई।
   - वास्तविक युद्ध परिदृश्यों का अनुकरण करते हुए संयुक्त अभ्यास में मोर्टार, मशीन गन, रॉकेट और ग्रेनेड का उपयोग किया गया।
   - इसका उद्देश्य संचालन तैयारियों की पुष्टि करना और प्रतिक्रिया समन्वय को परखना था।
3. **महत्व:**
   - Achook Prahar ने सेना और ITBP के बीच अग्नि शक्ति और रणनीतिक समन्वय को प्रदर्शित किया।
   - इससे संचार, संयुक्त निर्णय क्षमता और त्वरित प्रतिक्रिया कौशल में सुधार होता है।
   - यह सहयोग संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, जहाँ तनाव की स्थिति अक्सर रहती है।

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
इतिहास
अर्थव्यवस्था
भूगोल
भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था
1500x4
₹6000/-
₹4500/-
रोज़ाना लाइव क्लासेस
साप्ताहिक टेस्ट
क्लास की पीडीएफ (हिंदी + अंग्रेज़ी में)
लाइव डाउट सेशन
रोज़ाना प्रैक्टिस प्रश्न
COURSE VALIDITY
1 YEAR

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
FOUNDATION COURSE
OF MUTUAL FUND
INVEST IN KNOWLEDGE GROW YOUR WEALTH
COMBO OFFERS
BBK
Baaten Bazaar ki
COURSE FEE
₹4000/-
OFFER PRICE
₹2800/-
Course Validity
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुवात
Baaten Bazar Ki

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

PORTFOLIO BUILDING AND MANAGEMENT COURSE
+ (FUNDAMENTAL OF STOCK MARKET)
FREE
» Long-Term Investing Foundations
» Principles of Value Investing and Stock
» Portfolio Construction Mastery
» Sectoral Investing
» Stock Picking Framework
» Active Portfolio Management Techniques
» Mega Cap vs Mid Cap Strategy
BBK
EMI AVAILABLE
SPECIAL BONUS
COURSE VALIDITY
1 YEAR